वार्तालाप–506, अनंतपुर (आं.प्र.), तारीखः 03.02.08
Disc.CD No.506, dated 3.2.08 at Anantpur (Andhra Pradesh)

0.04–1.10
प्रश्न– बाबा भाई पूछ रहा है मोहर्रम का मतलब क्या है?
बाबा– मोहर्रम।
प्रश्न– जो मुसलमान त्योहार करता है ना।
बाबा– मोह और रम माना रमना। मोह आता है देहधारी का; उसकी याद में मनाते है मोहर्रम। वो किसको याद करते हैं? ''हाय हुसैन हम न हुए'' हुसैन को याद करते। वो हुसैन देहधारी था या निराकारी बाप था? देहधारी था। उसकी याद में जो यादगार मनाते हैं, मोह आता रहता है उसका नाम रख दिया है मोहर्रम। खूब खेल करते हैं।
Time: 0.04-1.10
Student: Baba, this brother is asking, 'what is meant by *Moharram'*?
Baba: *Moharram*?
Student: It is a Muslim festival.
Baba: *Moh* and *rum* means *ramna* (to delight in). They have attachment (*moh*) for a bodily being and *Moharram* is celebrated in his remembrance. Whom do they remember? They remember Hussain saying 'O Hussain, alas we weren't present at that time!' Was that Hussain a bodily being or an incorporeal Father? He was a bodily being. The memorial that they celebrate in his remembrance, the attachment that they develop [for him] has been named *Moharram*. They enact a lot of drama.

11.50–15.30
प्रश्न– बाबा पहले तो यज्ञ के अंदर इतना साधन–सुविधा नहीं था। फिर भी सब खुशी से रहते थे।
बाबा– माना साधनों से ही खुशी रहती है? ये कोई जरूरी है कि साधनों से ही खुशी रहती हो? सतयुग में साधन होते है क्या?
प्रश्न– नहीं।
बाबा– कोई साधन नहीं होते। फिर भी वहाँ बहुत खुशी रहती है।
प्रश्न– और अभी तो...
बाबा– साधन बहुत है।
Time: 11.50-15.30
Student: Baba, earlier there were not much facilities in the *yagya*. Nevertheless, everyone used to be happy.
Baba: Does it mean there is happiness only because of facilities? Is it necessary that there is happiness only because of facilities? Are facilities available in the Golden Age?
Student: No.
Baba: Despite having no facilities, there is a lot of joy there.
Student: And now....
Baba: There are a lot of facilities.

प्रश्न–यज्ञ में हर प्रकार का साधन है, हर तरह के सुविधा है, बाबा ने हर तरह से फ्री छोड़ दिया। इतना अंतर है। अभी के आनेवाले आत्माओं में कोई खास विशेषता है क्या?
बाबा– अभी के आनेवाली आत्माओं में विशेषता है या उनकी विशेषता उनके ऊपर आधारित है जिनके आधारपर वो आती है ज्ञान में? माँ–बाप जैसे होंगे बच्चे वैसे ही बनेंगे कि नहीं? माँ–बाप अगर साधनों के आधार पर चलने के आदी हो गये। साधन मिलेंगे तो खुशी होगी, साधन नहीं मिलेंगे, टी.व्ही. देखने को न मिला बस खुशी उड़ने लगी। तो ये साधनों का जितना

आधार लेकर के चलनेवाले हैं उनसे जो पैदाईश होगी, जिनको पालना मिलेगी वो पॉवरफुल आत्मायें बनेंगी या कमजोर आत्मायें बनेंगी?
प्रश्न– कमजोर।
Student: There are all kinds of means in the yagya; there is every kind of facility; Baba has given freedom in every way. There is so much difference. Is there any specialty in the souls which are coming now?
Baba: Is there a specialty in the souls which are coming now or is their specialty dependent upon those with whose support they enter the path of knowledge? Will the children not become like the parents? If the parents become habituated to the facilities; if they get facilities they will be happy and if they do not get facilities…, if they do not get to see TV, their joy will start vanishing. So, will those ones who will be born and who will take sustenance from the souls who take the support of facilities become powerful souls or weak souls?
Student: Weak.

बाबा– कमजोर आत्मायें बन रही हैं; इसलिए अव्यक्त वाणी में बोला हैं ''आदि के निकले हुए वारसदार अब तक भी काम दे रहे हैं'' बेसिक नॉलेज में, क्यों? क्योंकि आदि में साधन नहीं थे, साधना थी। यहीं यमुना नदी के किनारे–2 ड़ोल–2 के ब्रह्माकुमारी बहनें ज्ञान दे रही थी। उस समय चित्र भी नहीं थे, लिटरेचर भी नहीं था, कोई साधन नहीं था, मुरली भी उनको रोज पढ़ने को नहीं मिल पाती थी। उस समय की साधना से जो बच्चे निकले वो अब तक भी यज्ञ की पालना कर रहे हैं। अभी देखो कैसी आत्मायें निकल रही हैं? बड़े–2 महल–माड़ियाँ–अटारियाँ बनी हुई है, परवरिश लेनेवाले परवरिश ले रहे हैं। लेकिन जो ज्ञानी तु आत्मायें निकलनी चाहिए वो नहीं निकल रही है; सारी भक्त निकल रही है। यही हाल एड़वान्स में भी होता है। और?
Baba: Souls are becoming weak; this is why it has been said in an Avyakta Vani, 'The heirs who emerged in the beginning are still proving useful' in the basic knowledge. Why? It is because there were no facilities (*saadhan*), there was effort (*sadhana*) in the beginning. The Brahmakumari sisters were giving knowledge on the banks of river Yamuna. At that time there were no pictures, there was no literature, there were no means, they did not used to get Murli everyday to read. The children who emerged from the efforts (*sadhana*) of those days are sustaining the *yagya* till now. Look, what kind of souls are emerging now? There are big palaces and buildings; those who have to receive sustenance are receiving sustenance. But the knowledgeable souls which should emerge are not emerging; all those who are emerging are devotees. This is the condition in the advance party as well. Anything else?

प्रश्न– जो पहले आई हुई आत्माओं में नहीं है।
बाबा– क्या नहीं है? पहली आत्माओं ने साधनों की पालना नहीं ली ये नहीं है और अब आई हुई आत्मायें साधनों की पालना ज्यादा ले रही हैं। तपस्या की पालना उनको नहीं मिल पा रही है, तपस्या का वातावरण नहीं मिल पा रहा है इसलिए कमजोर आत्मायें निकल रही हैं।
Student: …it is not in the souls which came in the beginning.
Baba: What is not there? The souls who came earlier did not obtain sustenance of facilities and the souls which are coming now are obtaining more sustenance through facilities. They are unable to get the sustenance of *tapasya*. They are unable to get the atmosphere of *tapasya*. This is why weak souls are emerging.

22.31–23.51
प्रश्न– बाबा कन्याओं–माताओं को आगे रखते हैं। बाबा कन्याओं–माताओं को आगे रखते हैं। फिर पहले भाईयों को पहले दृष्टि क्यों देते हैं?
बाबा– नहीं। ऐसी तो कोई बात नहीं। पहले दृष्टि देने से कोई ज्यादा पॉवरफुल हो जाता है क्या? बल्कि पहलेवाली दृष्टि उतनी ज्यादा पॉवरफुल नहीं होती, धीरे–2 बुद्धियोग अस्थाई होता

है। जो शुरूआत में दृष्टि दी जाती है वो ज्यादा पॉवरफुल होती है या बाद में जो दृष्टि दी जाती है ज्यादा पॉवरफुल होती है? झूठ क्यों बोलते? बताओ।
प्रश्न– इस प्वाइन्ट से क्या समझ में आ रहा है बाबा, स्त्रियों को जलसी ज्यादा होती है।
बाबा– हाँ, भाईयों को ज्यादा लेना नहीं देना चाहते।
प्रश्न– जलसी मीन्स असूय।
बाबा– हाँ–2, ये रूद्रमाला के मणके है। ये मातायें नहीं हैं, स्त्रियाँ नहीं है; ये जन्मजन्मान्तर के पुरूष हैं।
Time: 22.31-23.51
Student: Baba keeps the virgins and mothers ahead. Baba keeps the virgins and mothers ahead. Then why does He give *drishti* to the brothers first?
Baba: No, there is no such thing. Does someone become more powerful if *drishti* is given first to him? In fact, the initial *drishti* is not so powerful; the intellect becomes constant gradually. Is the initial *drishti* more powerful or is the *drishti* which is given later on more powerful? Why are you speaking lies? Speak.
Student: Baba, what we can understand from this point is that women are more jealous.
Baba: Yes, they do not want the brothers to obtain more.
Student: *jealousy* means jealousy.
Baba: Yes, yes. These are the beads of *Rudramala*. They are not mothers, they are not women; they have been men for many births.

23.52–25.40
प्रश्न– बाबाजी, मनुष्य को नवरंध्र हैं।
बाबा– हाँ, जी।
प्रश्न– आत्मा शरीर को छोड़कर चली जाते समय किस रंध्र से निकल जाती है?
बाबा– रंध्र। ये जो रोंए जो होते हैं उन्हें रंध्र कहा जाता है। ये रंध्र 9 नहीं है; असंख्य। 9 इन्द्रियाँ हैं। क्या? इस शरीर के 9 दरवाजे हैं।
प्रश्न– किस दरवाजे से आत्मा शरीर को छोडकर चली जाती है।
बाबा– आत्मा तो ये जो बाल बने हुए हैं ना एक–2 इनके साथ–2 एक–2 छेद भी है शरीर के अंदर। उस छेद में से भी छोटी आत्मा है। वो आत्मा तो कहीं से भी निकल सकती है। ऐसे नहीं कि वो नाक में से ही निकलेगी,..मुह में से निकलेगी – हा, निकल गई। आत्मा शरीर के कोई भी रंध्र से निकल सकती है।
प्रश्न– फिर ब्रह्मरंध्र क्या होता है बाबा?
बाबा– ये, ब्रह्मरंध्र यहाँ शरीर के अंदर जो ऊपर सर पर बाल है ना, ये भी रंध्र है, इनमें भी छेद हैं ढ़ेर सारे। इन छेदों में से भी आत्मा निकलती है। लेकिन ऊँची स्टेजवाली आत्मा होती नहीं है कलियुग में। सबकी बुद्धि, पुरूष है, उनकी स्त्री में बुद्धि जा रही है, वो भी नीचे जा रही है। स्त्रियाँ है तो पुरूषों में बुद्धि जा रही है वो भी नीचे जा रही है। तो ब्रह्मरंध्र में कौन जायेगा? ब्रह्मरंध्र में तो वही जा सकता है जो ब्रह्मा के दिये हुए ज्ञान का मनन–चिंतन–मंथन में लगा रहे।
Time: 23.52-25.40
Student: Babaji, there are nine openings (*randra* = pore) in the human body.
Baba: Yes.
Student: When the soul leaves the body, it leaves from which opening?
Baba: Pores. These hairs (on the body) are called pores. These pores are not just nine in number; they are innumerable. There are nine organs. What? There are nine gates of this body.
Student: From which gate does the soul leave the body?
Baba: As regards the soul; there are these hairs, aren't there? There is an opening in the body along with every hair. The soul is smaller than that opening. The soul can leave from anywhere.

It is not as if it will leave only through the nose, or through the mouth, Haa, it has gone out. A soul can leave from any opening of the body.
Student: Then what is mean by *Brahmarandhra* Baba?
Baba: This *Brahmarandhra*: here. In this body, there are hairs on the head; so these are also openings; they also contain a lot of openings. A soul leaves through these openings also. But there are no souls with a high stage in the Iron Age. Everybody's intellect…; someone is a male, his intellect is thinking of women; that is also going downwards. There are women; their intellect is thinking about men. That is also going downwards. So, who will go to the *Brahmarandhra!* Only the one who keeps thinking and churning about the knowledge given by Brahma can go to the *Brahmarandhra*.

31.05–33.45
प्रश्न– बाबा सहस्त्रबाहु कार्तिकेय विजयी होकर आते हैं। भृगुऋषि के आश्रम में जाते हैं। वहाँ ऋषि से कामधेनु गाय माँगते है इसका बेहद में क्या?
बाबा– कामधेनु गाय कोई दूसरी थोड़े ही है। जो जगदम्बा है, वही सभी कामनाओं की पूर्ति करनेवाली है। जगदम्बा जो महाकाली का रूप धारण करती है उसमें कौनसी आत्मा प्रवेश करती है जो उसको कन्ट्रोल कर लेती है? महाकाली के सर पर चंद्रमा दिखाया जाता है; वो अधूरा चंद्रमा है। वो प्रवेश करता है। इसलिए मुरली में बोला है – वास्तव में ये ब्रह्मा तुम्हारी जगदम्बा है। क्या? और कोई आत्मा जगदम्बा का पार्ट नहीं है। सारे जगत की माँ वही बन सकती है जो सारे जगत के सामने सहनशक्ति का नमूना पेश करें। ब्रह्मा के अलावा और दुनिया का कोई पार्टधारी न हुआ है, न आगे भविष्य में होगा और न वर्तमान में अभी है जिसने इतनी सहनशक्ति धारण की हो; इसलिए ब्रह्मा ही जगदम्बा है। माँ का विशेष पार्ट होता सहन करने का। तो जो जगदम्बा है वो तो वास्तव में एक ड़ब्बा है। पाँच तत्व है, संघात। उसका नाम दिया प्रकृति। पाँच तत्वों का संघात जिसका नाम दिया जाता है पृथ्वी, जल, वायू, अग्नि, आकाश इन पाँच तत्वों का मेल। सुंदर से सुंदर रूप धारण करता है वो प्रकृति का रूप और विकराल से विकराल रूप धारण करता है। विकराल रूप भक्तिमार्ग में दिखाया गया है महाकाली का।
Time: 31.05-33.45
Student: Baba, Sahastrabahu Kartiveer[1] comes home victorious. He comes to the hermitage of Bhrigurishi. There he asks the sage to give Kamdhenu cow; what does it mean in an unlimited sense?
Baba: Kamdhenu cow is not anyone else. Jagdamba is the one who fulfils the desires of everyone. Which soul enters and controls Jagdamba who assumes the form of Mahakali? A moon is shown on the forehead of Mahakali as well. That is an incomplete Moon. It enters. This is why it has been said in the Murli, actually this Brahma is your Jagadamba. What? No other soul plays the part of Jagdamba. Only the one who presents a sample of tolerance in front of the entire world can become the mother of the world. There has neither been any actor, nor will there be any actor in future nor is there any actor at present who assumed such tolerance like Brahma; this is why Brahma himself is Jagdamba. A mother plays the special part of tolerance. So, Jagdamba is actually a box, it is the combination of five elements. It has been named nature (*prakriti*). It is the combination of the five elements which are named… It is the union of the five elements: Earth, water, wind, fire, sky. It assumes the most beautiful form, the form of nature and it also assumes the most ferocious form. The ferocious form of Mahakali has been shown in the path of bhakti.

……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

[1] a King who possessed the power of thousand arms who wanted to have the cow Kamdhenu.